न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, धनबाद

online Entry 01/10/17

एम० पी० केश नं० 334/2017 — धारा 107 द.प्र.स.

आदेश की तिथि	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पत्र पर की गई कारवाई
27.2.17	दिलीप कु० यादव बनाम .... कुमार बरवाअड्डा थाना अप्राथमिकी सं० 26/17 प्राप्त हुआ। अवलोकन से स्पष्ट होता है कि जाँच पदाधिकारी स० अ०नि०/अ०नि० बरवाअड्डा ने जाँच कर अपना प्रतिवेदन थाना प्रभारी बरवाअड्डा थाना एवं अ० निरी० गोविन्दपुर ने अग्रसारित किया है जिसमें उल्लेख है कि उभय पक्षों की बीच जमीन संबंधी विवाद को लेकर तनाव है। उभय पक्ष कानून को अपने हाथों में लेकर स्थानीय परिशांति भंग करने पर तुले हुए तथा एक दूसरे के जान-माल पर खतरा पहुँचा सकते है। प्रतिवेदन से स्पष्ट होता है कि पक्षों के बीच गंभीर तनाव व्याप्त है तथा इनके कार्यों से कभी भी लोक परिशांति भंग हो सकती है। पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर मैं उभय पक्षों के विरुद्ध धारा 107 द०प्र०सं० की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए उभय पक्षों को निर्देश देता हूँ कि वे मेरे न्यायालय में दिनांक 17.3.17 को 10.30 बजे पूर्वाह्न उपस्थित होकर अपना कारण पृच्छा दाखिल करें कि क्यों नहीं लोक परिशांति बनाये रखने के लिए आपके ₹ 5000.00 रू० का दो समप्रतिभुतियों के साथ बन्धपत्र लिया जाय। लेखापित एवं संशोधित अनुमंडल दण्डाधिकारी धनबाद अनुमंडल दण्डाधिकारी धनबाद	1.4.17 26.4.17 16/5/17 25/5/17 5/6/17 16/6/17 3/7/17 18/7/17 1/8/17 18/8/17 1/9/17 13/9/17 3/10/17 16/10/17 01/11/17 14/11/17 28/11/17 11/12/17 समाप्त

उभय पक्ष प्रा० की हाजरी है। पेश अन्य उपस्थित है।
द्वितीय पक्ष डा० की हाजरी है। पेश [illegible]
आवेदन है जिसे ____________ किया जाता है।
28/11/17 को पेश

28.11.17 उभय पक्षों की [illegible] आवेदन है।
11/12/17 को पेश

11/12/17 उभय पक्ष [illegible] है।
कार्यवाहियां [illegible] के कारण पाद की
कार्यवाही [illegible] कार्य [illegible]
में स्थगित की जाती है।

Sd/-
11/12/17

Digitally signed by PREM KUMAR TIWARY
Date: 2023.08.23 15:53:55 +05:30
Location: 192.168.29.44

Scanned with OKEN Scanner